भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

27.11.2019 के

अतारांकित प्रश्न सं. 1405 का उत्तर

रेलवे का आधुनिकीकरण

1405. सुश्री एस. जोतिमणिः

श्री चन्द्र प्रकाश चौधरी:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) रेलवे के आधुनिकीकरण, नई रेललाइन बिछाने, पटरियों के दोहरीकरण, विद्युतीकरण और रेलवे सुरक्षा हेतु आवश्यक निधि का झारखंड सहित राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) उक्त निधि कब तक और किस तरह से जुटाए जाने की संभावना है;

(ग) क्या रेलवे का उक्त कार्यक्रमों का कार्यान्वयन सरकारी-निजी भागीदारी के आधर पर करने का विचार है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ङ) उन्नयन हेतु प्रस्तावित रेलवे स्टेशनों का राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(च) सौर ऊर्जा या जैव-शौचालय (बायो-टायलेट) जैसी पर्यावरण हितैषी प्रौद्योगिकी का उपयोग करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं; और

(छ) रेलवे के घाटों को रोकने के लिए क्या उपाय किए गए हैं?

उत्तर

रेल और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री (श्री पीयूष गोयल)

(क) से (छ): एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

*****

sk

रेलवे के आधुनिकीकरण के संबंध में दिनांक 27.11.2019 को लोक सभा में सुश्री एस. जोतिमणि और श्री चन्द्र प्रकाश चौधरी के अतारांकित प्रश्न सं. 1405 के भाग (क) से (छ) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) और (ख): केंद्रीय बजट 2019-20 में, यह अनुमान लगाया गया था कि 2018-2030 के बीच रेलवे अवसंरचना के लिए 50 लाख करोड़ रु. के निवेश की आवश्यकता होगी। रेल परियोजनाओं की परिकल्पना/निष्पादन, राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश के आधार पर नहीं किया जाता है।

(ग) और (घ): रेलवे में निवेश संस्थागत वित्त और सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) के माध्यम से बजटीय और अतिरिक्त बजटीय संसाधनों सहित मिश्रित स्रोतों से जुटाया जाता है। रेलपथों के पूरा होने, चल स्टॉक विनिर्माण और यात्री/माल ढुलाई सेवाओं के वितरण के क्षेत्र में निवेश का एक हिस्सा पीपीपी के माध्यम से परिकल्पित किया गया है।

(ङ): झारखंड राज्य के 30 स्टेशनों सहित सभी राज्यों में आदर्श रेलवे स्टेशन विकास योजना के तहत उन्नयन के लिए लगभग 1250 स्टेशनों की पहचान की गई है।

(च): विभिन्न पर्यावरण-अनुकूल प्रौद्योगिकियों का उपयोग करने के लिए उठाए गए कदमों में निम्नलिखित शामिल हैं:

- **(i) नवीकरणीय ऊर्जा अर्थात् सौर ऊर्जा और पवन ऊर्जा का उपयोग - वर्तमान में, भारतीय रेल (भारे) लगभग 202 मेगावाट नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग करती है।**
- **(ii) ऊर्जा-कुशल प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एलईडी) प्रकाश की व्यवस्था - 100% रेलवे स्टेशन, सेवा भवन और लगभग 89 प्रतिशत आवासों में एलईडी लाइटें उपलब्ध कराई गई हैं।**
- **(iii) सवारी डिब्बों में जैव-शौचालयों की व्यवस्था- 64,000 यात्री डिब्बों में लगभग 2,30,000 जैव-शौचालय लगाए गए हैं।**
- **(iv) हाई स्पीड डीजल (एचएसडी) के साथ बायो-डीजल का सम्मिश्रण - डीजल रेल इंजन के लिए एचएसडी में 5% बायो-डीजल का सम्मिश्रण जून, 2015 में शुरू किया गया था।**

sk

(छ): रेलवे में घाटे को कम करने के लिए उठाए गए कदमों में निम्नलिखित शामिल हैं:

(i) लंबी और भारी रेलगाड़ियां चलाकर परिचालनिक दक्षता प्राप्त करना।

(ii) गैर-किराया राजस्व सृजन के लिए नीतियां तैयार करना।

(iii) रेल भूमि विकास प्राधिकरण (आरएलडीए) के माध्यम से अतिरिक्त भूमि का मुद्रीकरण।

******

sk